बाजी बरसाने डफ बाजी रे

बाजी बरसाने डफ बजी रे ,होरी आयी रे...
हाँ होरी आयी रेरेरे... - २
बाजी बरसाने डफ बाजी रे होरी आयी रे

आयी बसंत बहार है आयी,
ऊंची अट्टारी बजी शहनाई,
सखियों संग -२ राधा नाची रे ,होरी आयी रे
बजी बरसाने डफ....

ढोल नगाड़े बाज रहे हैं,
होरी जयकारे गाज रहे हैं ,
हर गोपी -२ हर गोपी लट्ठ से साजी रे,होरी आयी रे
बाजी बरसाने डफ....

साज रहे हैं समाज होरी के ,
गाज रहे हैं धमार होरी के ,
रसिकों से -२ रसिकों से महफ़िल साजी रे,होरी आयी रे
बाजी बरसाने डफ....

चलो 'मधुप' हरी होरी मनावें,
युगल हरी का दर्शन पावें,
फागुन की-२ फागुन की रंगीली रुत्त लागी रे,होरी आयी रे
बाजी बरसाने डफ....

हाँ होरी आयी रे ,हो होरी आयी रे-२
बाजी बरसाने डफ बाजी रे,होरी आयी रेरेरे ..।

बाजी बरसाने डफ बाजी रे,होरी आयी रे-२ fast (चौगुन)
हाँ होरी आयी रे ,
अम्बे होरी आयी रे ,
हो होरी आयी है ...

बरसाने में ,होरी है -२
वृन्दावन में ,होरी है -२
नंदगाँव में ,होरी है -२
गोवर्धन में ,होरी है -२
कुञ्ज गलिन में ,होरी है-२
वृन्दावन में ,होरी है -२
होरी है -२
हो,हो,हो,हो होरी है -३

बोलो होरी के रसिया की जय।

जय हो....।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33056/title/baaji-barsaane-daf-baaji-re-hori-aai-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |